

गणतंत्र दिवस परेड Republic Day Parade



26 जनवरी 2014 (माघ 7, 1935)
26 January 2014 (7 Magha, 1935)



2

अमर
जवान



गणतंत्र दिवस परेड **Republic Day Parade**

26 जनवरी 2014 (माघ 7, शक संवत् 1935)
26 January 2014 (7 Magha, Saka Samvat 1935)

कार्यक्रम

Programme

0957 राष्ट्रपति का, मुख्य अतिथि, जापान के प्रधानमंत्री के साथ
बजे राजकीय सम्मान सहित आगमन।

0957 The President, accompanied by the Chief
Hrs. Guest, The Prime Minister of Japan, arrives
in State.

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति तथा मुख्य अतिथि की अगवानी।

The Prime Minister receives the President
and the Chief Guest.

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति तथा मुख्य अतिथि से रक्षा मंत्री, रक्षा
राज्य मंत्री, तीनों सेनाध्यक्षों तथा रक्षा सचिव का परिचय।

The Prime Minister presents to
the President and the Chief Guest,
Raksha Mantri, Raksha Rajya Mantri,
the three Service Chiefs and Defence
Secretary.

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा मुख्य अतिथि का मंच की ओर
प्रस्थान।

The President, the Prime Minister and the
Chief Guest proceed to the rostrum.

राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है तथा राष्ट्रपति के अंगरक्षक
राष्ट्रीय सलामी देते हैं। बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुति तथा 21
तोपों की सलामी।

The National Flag is unfurled and the
President's Body Guard presents the
National Salute. The Band plays the
National Anthem and a 21-Gun Salute is
fired.

गणतंत्र दिवस परेड आरंभ होती है।

The Republic Day Parade commences.

सांस्कृतिक झांकी।

The Cultural Pageant.

मोटर साइकिलों पर करतब।

Motor Cycle Display.

विमानों द्वारा सलामी।

Flypast.

राष्ट्रीय सलामी।

National Salute.

राष्ट्रपति का मुख्य अतिथि के साथ राजकीय सम्मान
सहित प्रस्थान।

The President, accompanied by the Chief
Guest, departs in State.

परेड क्रम

भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टरों द्वारा पुष्प वर्षा

परेड कमांडर

परेड उप-कमांडर

परमवीर चक्र तथा अशोक चक्र पुरस्कार विजेता

सेना

सवार दस्ते

61 घुड़सवार दस्ता

मैकेनाइज्ड दस्ते

टैंक टी-90 (भीष्म)

आईसीवी बीएमपी-II (सारथ)

ब्रह्मोस शस्त्र प्रणाली

स्मर्च 300 एमएम मल्टी रॉकेट लांचर प्रणाली

टी-72 फुल विड्थ माइन प्लो

परिवहनीय सैटल टर्मिनलस

पीएमएस (ब्रिजिंग प्रणाली)

ओएसए-एके - शस्त्र प्रणाली

हेलिकॉप्टरों द्वारा सलामी

The Order of March

Showering of Flower Petals by Helicopters

Parade Commander

Parade Second-in-Command

ParamVir Chakra and Ashok Chakra Awardees

Army

Mounted Column

61 Cavalry

Mechanised Columns

Tank T-90 (Bhishma)

ICV BMP-II (Sarath)

BrahMos Weapon System

Smerch 300mm Multi Rocket Launcher System

T-72 Full Width Mine Plough

Transportable Satl Terminals

PMS (Bridging System)

OSA-AK - Weapon System

Fly past by Helicopters

मार्चिंग दस्ता

पैराशूट रेजीमेंट

कवचित कोर केंद्र एवं स्कूल : बैंड धुन
तोपखाना केंद्र नासिक रोड शिविर 'वीर सिपाही'

पंजाब रेजीमेंट

मद्रास रेजीमेंट

सेना वायु रक्षा केंद्र : बैंड धुन
'शेर-ए-जवान'

ब्रिगेड ऑफ गार्ड्स रेजीमेंटल केंद्र

राजपूताना राइफल्स

महार रेजीमेंट

पैरा रेजीमेंटल केंद्र : बैंड धुन 'रश्मि'
पंजाब रेजीमेंटल केंद्र

जम्मू एवं कश्मीर लाइट इंफेंट्री

9 गोरखा प्रशिक्षण केंद्र

मराठा लाइट रेजीमेंटल केंद्र : बैंड धुन
'विजय हिमालय'

राजपूत रेजीमेंटल केंद्र

प्रादेशिक सेना (सिख ली)

नौसेना

नौसेना ब्रास बैंड : बैंड धुन
मार्च करती हुई सैन्य टुकड़ी 'जय भारती'

झांकी

(स्वावलंबन के माध्यम से भारतीय नौसेना - समुद्रीय सुरक्षा)

Marching Contingents

Parachute Regiment

Armoured Corps Centre & : Band playing
School Artillery Centre Nasik "Veer Sepahee"
Road Camp

Punjab Regiment

Madras Regiment

Army Air Defence Centre : Band playing
"Sher-e-Jawan"

Brigade of Guards Regimental
Centre

Rajputana Rifles

Mahar Regiment

Para Regimental Centre : Band playing
Punjab Regimental Centre "Rashmi"

Jammu & Kashmir Light
Infantry

9 Gorkha Training Centre

Maratha Light Regimental : Band playing
Centre "Vijay
Himalaya"

Rajput Regimental Centre

Territorial Army (SIKH LI)

Navy

Naval Brass Band : Band playing
"Jai Bharti"

Marching Contingent

Tableau

(Indian Navy-Maritime Security through
Self-Reliance)

वायुसेना

Air Force

बैंड दस्ता : बैंड धुन
मार्चिंग दस्ता 'ब्रेव वारियर्स'

Band Contingent : Band playing
"Brave
Warriors"

वाहन दस्ता
(भारतीय वायुसेना का कार्यालय)

Vehicular Column
(Transformation of Indian Air Force)

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन टुकड़ी

DRDO Equipment Columns

हल्का युद्धक विमान (एल सी ए) तेजस

Light Combat Aircraft (LCA) Tejas

अस्त्र तथा हेलीना मिसाइलें

Astra and Helina Missiles

एम बी टी अर्जुन एम के-II

MBT Arjun Mk-II

कर्मिंदल रहित प्रणाली झांकियां

Unmanned Systems Tableau

पूर्व सैनिक

Ex-Servicemen

बिहार रेजीमेंटल केंद्र : बैंड धुन
17 राजपूताना राइफल्स 'जनरल टैप्पी'

Bihar Regimental Centre : Band playing
"General
Tappy"

पूर्व सैनिकों की मार्च करती हुई टुकड़ी

Ex-servicemen Marching Contingent

अर्ध-सैनिक बल तथा अन्य सहायक सिविल बल

Para-Military And Other Auxiliary Civil Forces

बैंड: सीमा सुरक्षा बल : बैंड धुन
'विजय भारत'

Band: BSF : Band playing
"Vijay Bharat"

सीमा सुरक्षा बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

BSF Marching Contingent

सीमा सुरक्षा बल ऊंटों की टुकड़ी

BSF Camel Contingent

बैंड: सीमा सुरक्षा बल ऊंट : बैंड धुन 'हम हैं सीमा
सुरक्षा बल'

Band: BSF Camel : Band playing
"Hum Hain
Seema
Suraksha Bal"

असम राइफल्स की मार्च करती हुई टुकड़ी :

Assam Rifles Marching
Contingent

बैंड: असम राइफल्स : बैंड धुन 'असम
राइफल्स के सिपाही'

Band: Assam Rifles : Band playing
"Assam Rifles
ke Sipahi"

तटरक्षक बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

Coast Guard Marching Contingent

बैंड: केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल : बैंड धुन 'सेवा भक्ति का यह प्रतीक'

Band: CRPF : Band playing "Seva Bhakti ka yeh Prateek"

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

CRPF Marching Contingent

बैंड: भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस : बैंड धुन 'कदम कदम बढ़ाए जा'

Band: ITBP : Band playing "Kadam Kadam Baraye Ja"

भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस की मार्च करती हुई टुकड़ी

ITBP Marching Contingent

बैंड: केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल : बैंड धुन 'सारे जहां से अच्छा'

Band: CISF : Band playing "Saare Jahan Se Achha"

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

CISF Marching Contingent

बैंड: सशस्त्र सीमा बल : बैंड धुन 'जोश भरा है सीने में'

Band: SSB : Band playing "Josh Bhara Hai Seene Main"

सशस्त्र सीमा बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

SSB Marching Contingent

बैंड: रेलवे सुरक्षा बल : बैंड धुन 'सारे जहां से अच्छा'

Band: RPF : Band playing "Sare Jahan Se Achha"

रेलवे सुरक्षा बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

RPF Marching Contingent

बैंड: दिल्ली पुलिस : बैंड धुन 'दिल्ली पुलिस'

Band: Delhi Police : Band playing "Delhi Police"

दिल्ली पुलिस की मार्च करती हुई टुकड़ी

Delhi Police Marching Contingent

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन सी सी)

National Cadet Corps (NCC)

बैंड: राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र : बैंड धुन 'कदम कदम बढ़ाए जा'

Band: Boys (NCC) : Band playing "Kadam Kadam Badhaye Ja"

छात्रों की मार्च करती हुई टुकड़ी

Boys Marching Contingent

बैंड: राष्ट्रीय कैडेट कोर की छात्राएं : बैंड धुन
'सारे जहां से अच्छा'
छात्राओं की मार्च करती हुई टुकड़ी

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस)

सामूहिक पाइप और ड्रम बैंड : बैंड धुन 'देशों का
सरताज भारत'

राष्ट्रीय सेवा योजना की मार्च करती हुई टुकड़ी

सांस्कृतिक प्रस्तुति

झांकियाँ : अठारह

खुली जीपों में राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार विजेता बच्चे

बच्चों की प्रस्तुति

स्कूली बच्चों के कार्यक्रम :

1. राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, हस्तसाल, नई दिल्ली
2. महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल, अशोक विहार, नई दिल्ली
3. न्यू ग्रीन फील्ड विद्यालय, साकेत, नई दिल्ली
4. उत्तर पूर्वी सांस्कृतिक केन्द्र, दीमापुर
5. नेवी चिल्ड्रन स्कूल, चानक्यपुरी, नई दिल्ली

मोटर साइकिलों पर करतब : सीमा सुरक्षा बल

विमानों द्वारा सलामी*

गुब्बारों का छोड़ा जाना : भारत मौसम विज्ञान विभाग

* मौसम अनुकूल रहने पर।

Band: Girls (NCC) : Band playing
"Sare Jahan
se Achha"

Girls Marching Contingent

National Service Scheme (NSS)

Massed Pipes & Drums Bands : Band Playing
"Deshon Ka
Sartaj Bharat"

National Service Scheme Marching Contingent

The Cultural Pageant

Tableaux : Eighteen

National Bravery Award Winning Children in
open Jeeps

Children's Pageant

School Children Items :

1. Govt. Sarvodaya Kanya Vidyalaya, Hastsal, New Delhi
2. Maharaja Agarsain Public School, Ashok Vihar, New Delhi
3. New Green Field School, Saket, New Delhi
4. North East Zone Cultural Centre, Dimapur
5. Navy Children School, Chanakyapuri, New Delhi

Motor Cycle Display : Border Security
Force

Fly-Past*

Release of Balloons : India Meteorological
Department

* If weather conditions permit.

सांस्कृतिक प्रस्तुति

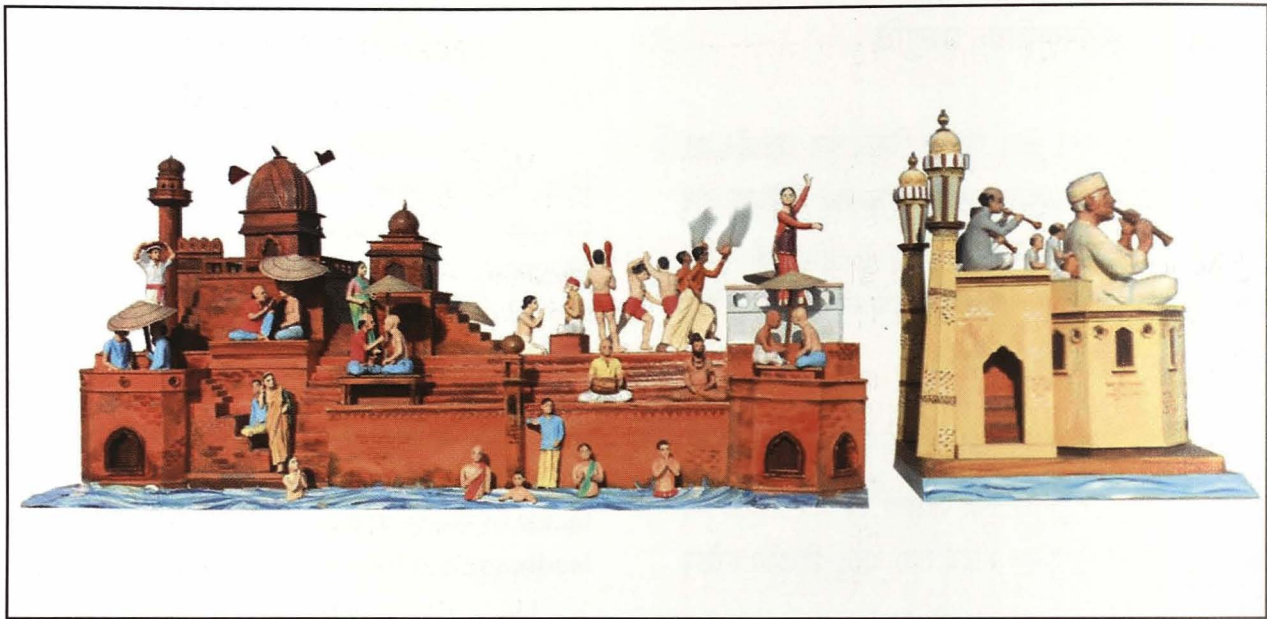
आज भारत अपना 65वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह सांस्कृतिक प्रस्तुति हमारी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विविधता और प्रगति की झलक प्रस्तुत करती है जो भारत के गौरवशाली अतीत का प्रतीक है तथा समृद्ध और खुशहाल भविष्य के प्रति देशवासियों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है।

रंग बिरंगी झांकियों का वर्ण-विन्यास भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकीय पहलुओं का चित्रण करता है। इन झांकियों में हमारे भौगोलिक सौंदर्य तथा वास्तु-शिल्पीय धरोहर को दिखाया गया है।

CULTURAL PAGEANT

Today, India celebrates its 65th Republic Day. The cultural pageant presents a glimpse of our ancient civilisation, cultural diversity and progress; it symbolises both India's glorious past and reflects the citizens' aspirations for a prosperous and happy tomorrow.

The array of colourful tableaux depicts the social, cultural, economic and technological facets of India, capturing both the beauty of our landscape and our architectural heritage.



सुबहे बनारस

पवित्र गंगा के तट पर स्थित बनारस (काशी) को विश्व के अत्यंत प्राचीन और सांस्कृतिक रूप में समृद्ध शहरों में से एक होने का गौरव प्राप्त है। यह पवित्र शहर अनेकों प्रतिष्ठित धार्मिक मनीषियों, संतों, दार्शनिकों, विद्वानों, साहित्यकारों और शास्त्रीय कलाकारों के लिए कर्म, चिंतन और मोक्ष की भूमि रहा है। बनारस में सूर्योदय की आभा अद्वितीय होती है। उगते हुए सूर्य की सुनहरी किरणें गंगा की लहरों, इसके घाटों, इसकी सीढ़ियों और मंदिरों की चोटियों को मनोहरी रूप में प्रदीप्त करती हैं। इसलिए बनारस के बारे में यह ठीक ही कहा जाता रहा है :

खाक भी जिस जमीन का पारस है,
शहर मशहूर वह बनारस है

ट्रेक्टर ट्रेलर पर सवार झांकी के अग्र भाग में भारत रत्न बिस्मिल्लाह खान को चित्रित किया गया है। इसका पिछला भाग बनारस के घाटों और उगते हुए सूर्य के प्रकाश में नहाए हुए प्रसिद्ध मंदिरों के दृश्य को चित्रित करता है।

— उत्तर प्रदेश

Subah-E-Banaras

Situated on the banks of Holy Ganga, Banaras (Kashi) occupies a pride of place amongst the most ancient and culturally enriched cities of the world. This holy city has been the land of karma, meditation and salvation for a number of eminent religious seers, saints, philosophers, scholars, litterateurs and classical artists. The splendor of sunrise in Banaras is quite unique. The golden rays of rising sun light up Ganga's currents, its ghats, their staircases and the pinnacles of temples like a spell-binding beacon. So this has been very aptly said about Banaras:

Khak bhi jis zamin ka paaras hai,
Shahar mashhoor wah Banaras hai

In the fore part of the tableau mounted on a tractor trailer, Bharat Ratna Bismillah Khan has been depicted. Its back part depicts the scene of Banaras' ghats and its famous temples bathed in the light of the rising sun.

— UTTAR PRADESH

सुपारी – एक लोकप्रिय नकदी फसल

सुपारी मेघालय की एक महत्वपूर्ण नकदी फसल है। मेघालय में इसे सामान्यतः क्वाई नाम से जाना जाता है। इसे एक पान की तरह सुपारी, पान के पत्ते तथा चूने की हल्की खुराक के साथ परोसा जाता है। इसे मेघालय के नागरिक बहुत पसंद करते हैं।

मेघालय के दक्षिण भाग की नम उप-उष्णकटिबंधीय जलवायु इस फसल की उपज के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। यहां सुपारी की प्रमुख किस्में "कहिकुची" और "डाकी क्वाई" है। डाकी क्वाई राज्य के पूर्वी खासी पहाड़ियों (डाकी तथा निकट क्षेत्र) तथा जैंतिया पहाड़ियों में उगाई जाती है। राज्य में सुपारी की खेती लगभग 6200 हेक्टेयर क्षेत्रफल में की जाती है जिसमें हर वर्ष लगभग 4200-5900 टन फसल का उत्पादन होता है।

मेघालय की प्रस्तुत झांकी में राज्य के लोगों को सुपारी की खेती तथा उत्पादन करते हुए दर्शाया गया है।

– मेघालय

Arecanut – A Popular Cash Crop of Meghalaya

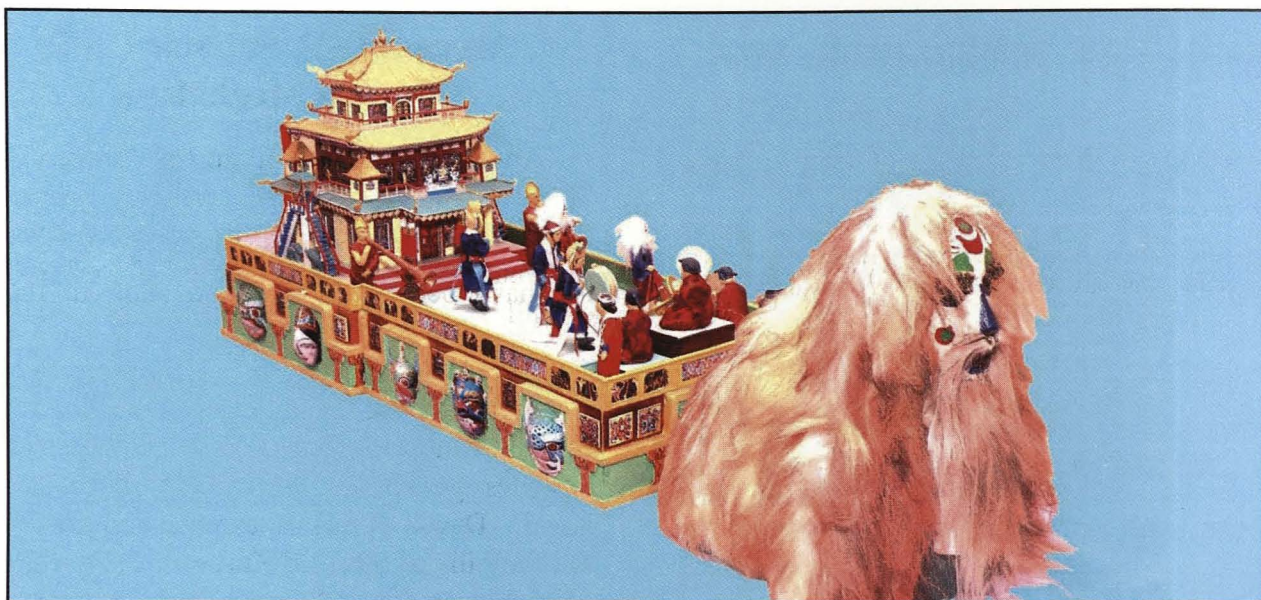
Arecanut is the important cash crops in the State. In Meghalaya, it is commonly known as "Kwai" - a paan served with generous dose of arecanut, betel leaf and lime and is loved by one and all.

The humid sub-tropical climate in the southern part of Meghalaya is very suitable for the cultivation of arecanut. The most preferred varieties grown are 'Kahikuchi' and 'Dawki Kwai'. Dawki Kwai is extensively grown in the foothills of the East Khasi hills (Dawki and adjoining areas) and Jaintia hills of the state. The area under arecanut cultivation in the state is around 6200 hectare which yields around 4200-5900 tonnes of produce every year.

The Tableau of Meghalaya depicts people of the State engaged in cultivation and processing of arecanut.

– MEGHALAYA





अजी लामू नृत्य

पूर्वोत्तर के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की इस झांकी में एक पारंपरिक नृत्य 'अजी लामू' को दर्शाया गया है। यह नृत्य बुरी आत्माओं से रक्षा के लिए यहां के मोनपा और शरदकपेन बौद्ध समुदायों में पुल के निर्माण के दौरान किया जाता है, जो कि दो गांवों के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण साधन है।

ऐसी किवंदती है कि एक नदी के दोनों किनारों पर दो गांव बसे थे। इन गांवों के लोगों में सामाजिक व वैवाहिक संबंध न होने के कारण उनकी जनसंख्या में कमी आ रही थी। तब गांव के लोगों ने आपसी संबंध बढ़ाने के लिए एक पुल बनाने का निर्णय लिया। जब पुल का निर्माण आरम्भ हुआ तब कुछ बुरी आत्माओं ने निर्माण रोकने के लिए बाधा डालना शुरू किया जिससे इंसानों में समृद्धि न हो। तब इस समुदाय ने उन बुरी आत्माओं का ध्यान बंटाने के लिए यह नृत्य किया। इससे पुल का निर्माण पूरा हो सका। इस नृत्य ने दोनों गांवों की समस्या हल कर दी तथा नृत्य को 'अजी लामू' नाम दिया गया।

झांकी के पहले हिस्से में एक नर्तक की मूर्ति नजर आ रही है जबकि पिछले हिस्से में गोम्पा (बौद्ध मंदिर) के सामने नर्तक अजी लामू नृत्य कर रहे हैं।

— अरुणाचल प्रदेश

Aji Lhamu Dance

The AjiLhamu dance is one of the most prominent folk dances amongst the Monpas and Sharduks, the Buddhist communities of Arunachal Pradesh. The dance is for warding off evil spirits during bridge construction, a vital means of communication between two villages.

The story goes that two villages were located on the either banks of a river. The villagers in each of them were relations and marriage between the villagers had no religious social sanction resulting in population-decline. So, the people of the villages decided to construct a bridge on the river facilitating the communication. As the bridge construction began, evil spirits created trouble, for they did not want the humans to prosper. As a deterrent, the villagers organized a dance extravaganza. The evil spirits were charmed by the dance and the bridge was quietly constructed. The dance solved the problem of the villages and was named AJI LHAMU.

The tractor portion shows a bust-sculpture of the mask dancer. The trailer portion shows the AJI LHAMU dance being performed in front of Gompa (Buddhist Temple).

— ARUNACHAL PRADESH

जड़ी बूटी

उत्तराखंड राज्य का हिमालयी क्षेत्र आदिकाल से ही दिव्य जड़ी बूटियों के खजाने के लिए विश्व प्रसिद्ध रहा है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में 700 से अधिक औषधीय प्रजातियां पायी जाती हैं। रामायण में वर्णित जीवनदायिनी औषधी 'संजीवनी बूटी' आज भी विश्वभर में वैज्ञानिक महत्व का विषय है। महर्षि चरक का आयुर्वेद पर अनुसंधान हिमालय की जड़ी बूटियों पर ही आधारित था।

उत्तराखंड में औषधीय जड़ी बूटियों का एक बड़ा हिस्सा प्राकृतिक स्थलों से एकत्रित किया जाता रहा है। वर्तमान में जड़ी बूटी व्यवसाय से लगभग एक लाख से अधिक लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। उत्तराखंड राज्य को हर्बल राज्य घोषित किया गया है। उत्तराखंड राज्य में जड़ी बूटियों की पैदावार करने, पौधशालाओं की स्थापना, निःशुल्क रोपण सामग्री के प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण, अनुदान, विलुप्त प्रायः प्रजातियों के संरक्षण तथा विपणन में सहायता प्रदान की जाती रही है।

उत्तराखंड राज्य की झांकी में जड़ी बूटियों की खेती, उनका उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन को दर्शाया गया है। झांकी में अमेष औषधी, अतीश, कुटकी, कूठ, जटामासी, छीपी, शतावर, कालाजीरा, जिरेनियम, लेमनग्रास, आदि की प्रजातियों को दर्शाया गया है।

— उत्तराखंड

Jadi Buti

Since the ages, the state of Uttarakhand has been known world over for its treasure of divine herbs and medicinal plants. More than 700 species of medicinal herbs are found in various parts of the state. The life saving herb, described as 'Sanjeevani Booti' in the Ramayana is still the focus of scientific interest the world over. Maharishi Charak's research on Ayurveda was based on the Himalayan herbs.

A large part of the medicinal herbs in Uttarakhand are collected from its natural surroundings. More than a lakh of people are involved directly and indirectly with the medicinal herbs business. The State of Uttarakhand has been declared as herbal state. Assistance is provided for farming medicinal herbs, establishing nurseries, dissemination of free planting material, training, grants, conservation of endangered species and marketing.

The state's Tableau depicts farming of medicinal herbs, their production, processing and marketing. The medicinal herbs shown include the species of Amesh, Nilam Aushdhi, Aatish, Kutki, Kooth, Jatamasi, Chhipi, Satvar, Kala Zeera, Geranium, Lemon Grass, etc.

— UTTARAKHAND





नारली पोर्णिमा – नारियल उत्सव

नारली पोर्णिमा (नारियल उत्सव) एक प्रमुख त्यौहार है जो महाराष्ट्र की संस्कृति का एक हिस्सा है। यह महाराष्ट्र के समुद्री किनारों पर रहने वाले मछुआरा समुदाय (कोली समाज) द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। समस्त महाराष्ट्र में नारली पोर्णिमा को पूर्ण उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है।

जून से अगस्त तक समुद्र अशांत और तूफानग्रस्त होता है और इस समय मछुआरे मछली पकड़ने के लिए समुद्र में नहीं जा सकते। ऐसा माना जाता है कि समुद्र श्रावण माह की पूर्णिमा से शांत होने लगता है। मछुआरे पूजा-पाठ करते हैं और समुद्र देवता वरुण को नारियल भेंट करते हैं। वे समुद्र से शांत होने तथा उनकी जीवन की रक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं।

इस अवसर पर नौकाओं और डोंगियों को रंगा और सजाया जाता है। इस त्यौहार में मीठा नारियल चावल मुख्य पकवान होता है। इस समुदाय के सभी पुरुष-महिलाएं इस उत्सव के दौरान दिन-रात गाने और नृत्य करने में लगे रहते हैं। इस प्रकार नारली पोर्णिमा से मछली पकड़ने के नये सत्र की शुरुआत होती है और इसे मंगलमय वातावरण में मनाया जाता है।

— महाराष्ट्र

Narali Pornima – The Coconut Festival

Narali Pornima (Coconut festival) is a major festival and part of Maharashtra culture. It is celebrated by fishermen community (Koli Samaj) of coastal Maharashtra on a grand scale. The whole of Maharashtra celebrates Narali Pornima with great enthusiasm and fervour.

The sea is uncalm and stormy from June to August. The fishermen cannot enter sea for fishing in this period. It is believed that the sea calms down from full moon of the month of Shravan. The fishermen perform pooja and offer coconut to the sea god Varuna. They pray for the calmness of the sea and protection of their lives.

The boats and canoes are painted and decorated on this occasion. Sweet coconut rice is the main dish in this festival. All men and women of this community enjoy it with singing and dancing day and night. Thus Narli Pornima marks the beginning of new season of fishing and is celebrated in very auspicious atmosphere.

— MAHARASHTRA

जम्मू-कश्मीर के खानाबदोश

जम्मू-कश्मीर खानाबदोशों की बहुरंगी संस्कृति का एक ऐसा सुंदर प्रदेश है जिस के तीनों क्षेत्रों जम्मू, कश्मीर तथा लद्दाख में खानाबदोश लोग बहुसंख्या में मिलते हैं। इन्हें बकरवाल, गद्दी तथा चंगपास आदि नामों से जाना जाता है। जम्मू-कश्मीर के खानाबदोशों का भी व्यवसाय माल-मवेशी तथा भेड़-बकरियां पालन करना है।

वे अपने मवेशियों को बुगयालों में ले जाते हैं तथा अपने रेवड़ों सहित एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रस्थान करते रहते हैं। गर्मियों में जम्मू-कश्मीर की पहाड़ी चरागाहें हरी-भरी घास से लहलहा उठती हैं। यहां पर उनके मवेशी हृष्ट-पुष्ट होते हैं तथा उनके ऊन में वृद्धि होती है।

जम्मू-कश्मीर के बकरवाल विशेषतया भेड़-बकरियां, मवेशी आदि पालते हैं। मौसम परिवर्तित होते ही वे पीर-पंजाल की दक्षिणी चरागाहों को छोड़ उत्तरी हिमालय की उच्च पहाड़ी श्रृंखलाओं की ओर प्रस्थान कर जाते हैं। जम्मू के गद्दी लोग अर्द्ध खानाबदोश श्रेणी में आते हैं क्योंकि इन्होंने गांवों में अपने घर बनाए हुए हैं, लेकिन अपने माल-मवेशी के चारे के लिए वे एक स्थान से दूसरे स्थानों पर प्रस्थान करते रहते हैं। लद्दाख क्षेत्र के चंगपास विशेषतया बढ़िया किस्म की पशमीना ऊन देने वाली बकरियों को पालने के लिए जाने जाते हैं। उत्कृष्ट पशमीना ऊन से विश्व-प्रसिद्ध पशमीना शाल बनाए जाते हैं।

—जम्मू-कश्मीर

Nomads of Jammu & Kashmir

Jammu & Kashmir is a multi-culture landscape with substantial population of nomads spread over the three regions of the State- Jammu, Kashmir and Ladakh, known by different names of Gaddies, Bakarwals, and Changpas. The nomads of J&K engage themselves in the same profession of cattle, goat and sheep rearing.

Nomads take their flocks to highland pastures and move from one place to another with their herds. During summer, the highland pastures of J&K are lush and full of green grass where these flocks graze and gain flesh and wool.

The Bakarwals from Jammu & Kashmir are essentially cattle, goat and sheep keepers. With the change of season they migrate from south of the Pir Panjal to the pastures of the Greater Himalayan range in the north. The Gaddies of Jammu are semi-nomadic as they have their homes in villages but migrate from one place to another to feed their flock. The Changpas of Ladakh region are best known for rearing Pashmina goats whose fibre is used to make the exquisite Pashmina shawls, famous world over for their craftsmanship.

— JAMMU & KASHMIR





कावड़ कला एवं तेरह ताली नृत्य

कावड़ कला राजस्थान की प्रसिद्ध लोक कलाओं में से एक है। कावड़ एक अलमारीनुमा आकृति होती है जिसमें 8 से 10 कपाट होते हैं। जिन पर कथाएं चित्रित होती हैं।

जैसे-जैसे एक के बाद एक कपाट खुलता है, वाचक प्रत्येक कपाट पर चित्रित दृश्यों के अनुसार कथा सुनाता है। इस प्रकार का वर्णन एक रंगमंचीय प्रस्तुतीकरण जैसा ही प्रतीत होता है। प्रस्तुत झांकी में इसी लोक कला को प्रस्तुत किया गया है।

इसके साथ ही, झांकी में 'तेरह ताली' नृत्य को दर्शाया गया है। इसमें नर्तकियां अपनी कलाइयों, बाजुओं और कोहनियों पर मंजीरे बांधकर, हस्त और देह के कलात्मक एवं सुन्दर संचालन द्वारा उन्हें लयबद्ध रूप में बजाती हैं। यह भक्तिपूरक नृत्य देवताओं के सम्मानार्थ किया जाता है। कावड़ और तेरह ताली, ये दोनों प्रस्तुतियां राजस्थान के मेवाड़ और मारवाड़ क्षेत्रों की लोकप्रिय लोक कलाएं हैं।

— राजस्थान

Kawad Art And Terah Tali Dance

Kawad art is one of the famous folk arts of Rajasthan. Kawad is a structure, fairly resembling a sort of cupboard, with 8 to 10 doors which have stories painted on them.

As the doors open one by one, the storyteller proceeds on with the story according to the scenes painted on each door. This kind of narration closely resembles a theatrical performance. This tableau represents this form of folk art.

Along with this, the 'Terah Taali' dance has been presented on the tableau. Here, the performers with manjeeras tied to their wrists, arms and elbows, produce rhythmic beats by making artful and fine movements of hands and bodies. This dance form is a devotional dance form performed in the honor of deities. Both these presentations, the Kawad and the Terah Taali dance, are popular folk arts of Mevar and Marwar regions of Rajasthan.

— RAJASTHAN

टीपू सुल्तान – एक पराक्रमी योद्धा

टीपू सुल्तान अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध शस्त्र उठाने वाले निःसन्देह एक ऐसे योद्धा हैं जिनका नाम भारतीय इतिहास के पन्नों में सदैव अजर-अमर रहेगा।

चित्ररथ के अग्र भाग में इस शूरवीर की एक प्रतिमा को दर्शाया गया है जबकि ट्रैक्टर के भाग में हमारे समक्ष इस महान योद्धा के जीवन की दो अविस्मरणीय घटनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं।

युद्ध नीति में माहिर टीपू सुल्तान ने भारत में अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ युद्ध में, इतिहास में पहली बार, अंग्रेज-मैसूर लड़ाई में रॉकेट तकनीक का उपयोग किया था। अंग्रेजों के प्रति उनकी प्रतिद्वंद्विता जगजाहिर थी। उनके पास एक बाघ द्वारा एक अंग्रेज को हताहत करते हुए दर्शाती एक प्रतिमा थी जिससे वे अक्सर खेला करते थे।

चित्ररथ के दूसरे भाग में हम टीपू सुल्तान के जीवन की सबसे बड़ी दर्दभरी दास्तां को देख रहे हैं। यहां पर टीपू सुल्तान सोने-चांदी के आभूषणों के साथ अपने दो लाडले बच्चों को अंग्रेजों को जमानत के रूप में पेश करते नजर आ रहे हैं। उनका महान बलिदान बहुत दुखद तथा अविस्मरणीय है। टीपू सुल्तान साहस तथा वीरता के सजीव उदाहरण हैं।

– कर्नाटक

Tippu Sultan-The Valiant Warrior

Tippu Sultan who raised his sword against the British Empire is undoubtedly a hero whose name is remembered forever in the annals of Indian history.

The tableau, in its front portion depicts the bust of this valiant hero while the tractor portion presents before us the two most significant episodes in the life of this great warrior.

A pioneer in war techniques Tippu, for the first time in the world history, used the rocket technology in the war against British, in his Anglo-Mysore battle. His revulsion of the British was quite evident, and he even had a miniature imitation of an Englishman being mauled by a tiger and used to play with it quite often.

The rear portion of the tableau depicts a most tragic event in the life of Tippu Sultan, surrendering of his two loving sons for war indemnity along with a large bounty, to the British. His immense sacrifice is haunting and hurtful. He is a personification of valour and pride.

– KARNATAKA





भूमकाल—बस्तर का स्वतंत्रता संग्राम

छत्तीसगढ़ की झांकी में किवदंती क्रांतिवीर गुंडाधुर के नेतृत्व में 'भूमकाल स्वतंत्रता संग्राम-1910' को प्रदर्शित किया गया है। बस्तर क्षेत्र में अंग्रेजी शासन के खिलाफ यह सबसे बड़ा जनजातीय आन्दोलन था।

नेतनार ग्राम के धुरवा जनजाति के इस साहसी योद्धा ने अंग्रेजों द्वारा बस्तर के आदिवासियों की जीवन पद्धति में बदलाव करने के प्रयासों का जोरदार ढंग से विरोध किया था। जब अंग्रेजों ने बस्तर के आदिवासियों को वनों से वनोपज एकत्रित करने और खेती करने पर रोक लगा दी तथा उन्हें जबरदस्ती अंग्रेजी हुकुमत के लिए काम करने पर मजबूर किया गया तो आदिवासियों ने विद्रोह कर दिया। आम की टहनियों, मिर्ची और तीरों के आदान-प्रदान से क्रांति का संदेश पूरे बस्तर के एक गांव से दूसरे गांव में फैलने लगा और पूरा बस्तर क्रांति के प्रभाव में आ गया।

वीर योद्धा गुंडाधुर, डेबरीधुर, आयतु मेहरा और डुंगा माझी के नेतृत्व में आदिवासी क्रांतिवीरों ने पूरे बस्तर में अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया और उन्हें कई स्थानों पर परास्त कर दिया। हार से बौखलायी अंग्रेजी हुकुमत ने एक बड़ी सेना बस्तर के स्वतंत्रता संग्राम को दबाने भेजी। अंग्रेज सफल हुए लेकिन गुंडाधुर कभी भी अंग्रेजों के हाथ नहीं आया।

— छत्तीसगढ़

Bhumkal - Freedom Movement of Bastar

The tableau of Chhattisgarh depicts the 'Bhumkal Freedom Movement of 1910' spearheaded by legendary revolutionary Gundadhur. It was the largest tribal movement of Bastar region carried out against the British rule.

Gundadhur, a tribal belonging to Dhurwa clan of Nethanar village, played a significant role in influencing tribal people to raise their voice against the British rule - attempting to redesign the adivasi pattern of life. The tribals turned rebellious when the British government stopped cultivation, hunting in forest, collection of forest produce and forced them to work for the British. Mango boughs, chilies and arrows were circulated in villages as symbols to invite villagers to fight against the British.

Gundadhur along with his teammates Dabridhur, Aayatu Mahra and Dunga Majhi attacked British officials and defeated them at various places. A large British troop was sent to Bastar to suppress the movement. Although the British succeeded, they never managed to capture Gondadhur.

— CHHATTISGARH

पुरुलिया छाउ नृत्य – पश्चिम बंगाल की नृत्य छटा

पुरुलिया छाउ नृत्य परम्परा पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक धरोहर की एक लोकप्रिय उपलब्धि है। प्रस्तुत झांकी में छाउ के विभिन्न गरिमामय पहलुओं को चित्रित किया गया है।

पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में ग्रामीण आदिवासियों द्वारा जीवन्त रखी जा रही इस नृत्य परिपाटी का उद्गम मूलतः युद्ध शैली रहा है क्योंकि इसकी सूत्रपाती जनजातियां भुमिज एवं मुन्डा सामरिक जातियां हैं। नर्तकों की शारीरिक क्षमता उनकी तीव्र कलाबाजियों, हवा में ऊंची छलांग और तेज चक्रों में प्रतिबिंबित होती हैं।

विशेषकर रामायण, महाभारत या पुराणों से दृष्टान्त लेकर बनाए गए छाउ के विभिन्न चित्रण सूर्य, शिव, और शक्ति की अराधना करते हुए वीर या रौद्र रस में अपनी गाथा कहते हैं। झांकी में आप भगवान कार्तिकेय को उनकी देव मुद्रा में देख सकते हैं। संगी कलाकार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर वध का प्रसंग प्रस्तुत कर रहे हैं।

पुरुलिया छाउ को अभिनव छाप दे रहे रंगीन मुखौटे, लोक वाद्य और आनुसंगिक विशेषताएं भी आप झांकी में देख सकते हैं। यह सभी एक साथ छाउ को न केवल इसका वर्तमान स्वरूप देते हैं, बल्कि नर्तकों को एक उन्मुक्त उल्लास का वातावरण प्रदान करते हैं।

— पश्चिम बंगाल

Purulia Chhau - The Choreographic Jewel of West Bengal

The repertoire of Purulia Chhau embodies the rich cultural heritage of West Bengal. The Tableau showcases the spirit of Chhau - a vibrant mask dance performed in certain areas of the State.

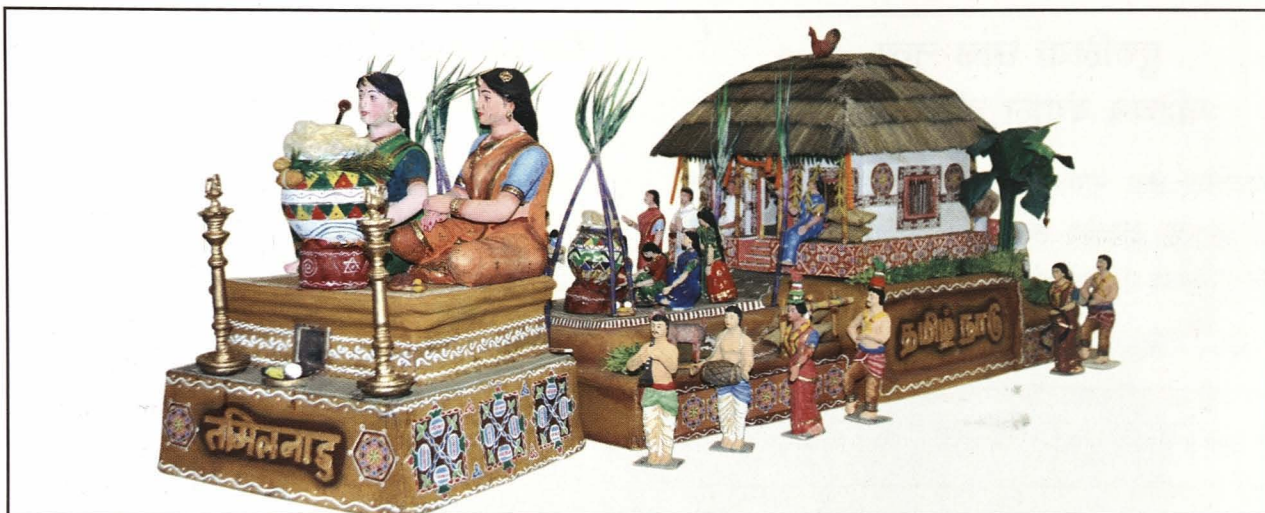
Main theme of Purulia Chhau is battle since the dance traces its origin to a warrior tribe -- Bhumij or Munda. The physical agility of performers is striking in vigorous somersaults, circular movements and forceful leaps. Drawing episodes from Ramayana, Mahabharata and Puranas, Chhau has evolved as a ritual to propitiate Sun, Shiva and Shakti and dominantly depicts Vira and Raudra rasa.

The tableau portrays Kartikeya in his divine regalia. The accompanying artists are enacting their much-acclaimed "Mahishasura Mardini" -- symbolizing triumph of Good over Evil.

Distinctive aspects of Purulia Chhau through colorful masks, accessories, folk instruments that create the aura and ambience of an animated dance, kept alive by the rural communities, are encapsulated in the tableau.

— WEST BENGAL





पोंगल त्यौहार

पोंगल फसल मौसम के अंत में तमिलनाडु में मनाया जाने वाला एक फसल त्यौहार है। यह सम्पूर्ण विश्व में वास कर रहे तमिलों द्वारा मनाए जाने वाले अति महत्वपूर्ण त्यौहारों में से एक है। यद्यपि, यह त्यौहार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया जाता है, परंतु इसका आनन्दोत्सव किसान समुदाय के मध्य गांवों में अधिक होता है। यह सूर्य देवता के लिए एक धन्यवाद ज्ञापन का त्यौहार है।

ये आनन्दोत्सव 'भोगी' से प्रारंभ होते हैं और प्रथम दिन उन समारोहों जिनको मनाया जाना है, के शुभारंभ के रूप में मनाया जाता है। घर की सफाई की जाती है, रंगाई की जाती है, सजावट की जाती है और अवांछित घरेलू वस्तुओं को फेंक दिया जाता है। अगला दिन 'पोंगल' का दिन होता है, जो सूर्य देवता को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। पोंगल – चावल से बने एक पकवान, को आंगन में सूर्य के प्रकाश में पकाया जाता है तथा यह पकवान सूर्यदेवता को समर्पित होता है। मवेशियों को सम्मान प्रतीक के रूप में पोंगल त्यौहार का तृतीय दिवस गायों हेतु पोंगल स्वरूपा 'माट्टू पोंगल' के रूप में मनाया जाता है। बहुरंगी मोतियों, खनकती घंटियों, मक्के और फूल मालाओं को पशुओं के गले में बांधा जाता है और उनकी पूजा की जाती है। त्यौहार के चतुर्थ दिन, लोग अपने रिश्तेदारों तथा दोस्तों के साथ भ्रमण करते हैं और उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं। तमिलनाडु की झांकी तमिलनाडु में मनाए जाने वाले 'पोंगल' त्यौहार को चित्रित करती है।

—तमिलनाडु

Pongal Festival

Pongal is a harvest festival celebrated in Tamil Nadu at the end of the harvest season. It is one of the most important festivals celebrated by the Tamils, living all over the world. Though the festival is celebrated in urban and rural areas, the festivity is more in villages among the farming community. It is a thanks-giving festival for the Sun God.

The festivities begin with 'Bhogi' and the first day is considered to be a prelude to the celebrations that follow. The house is cleaned; whitewashed, decorated and unwanted household articles are discarded. The next day is the 'Pongal' day, which is celebrated to pay respects to Sun God. Cooking of "Pongal"—a dish made of rice, is done under sunlight, in courtyard, as the dish is dedicated to the Sun God. As a mark of respect to the cattle, the third day of Pongal festival is celebrated as 'Maattu Pongal', the day of Pongal for cows. Multi-colored beads, tinkling bells, corn and flower garlands are tied around the neck of the cattle and worshiped. The fourth day of the festival, witnesses people going for sightseeing and exchanging pleasantries with relatives and friends. The Tableau of Tamil Nadu portrays the "Pongal" festival celebrated in Tamil Nadu.

—TAMIL NADU

डॉ. भूपेन हज़ारिका – असम की स्वर्णीम वाणी (1926–2011)

महान असमीया किवदंती पुरुष विभिन्न गुणों से विभूषित स्वर्णीम वाणी के अधिकारी श्री भूपेन हज़ारिका गीतकार, संगीतज्ञ, गायक, लेखक, कवि और चलचित्र निर्माता थे। मानवता और विश्व भ्रातृत्वबोध की भावना से विरचित उनके गाने विभिन्न भाषाओं में अनुवादित भी हुए हैं, विशेषकर बांग्ला और हिन्दी भाषा में। भूपेनदा के गाने साम्प्रदायिक सौहार्द, सार्वजनिक न्याय और सहानुभूति की भावना से ओत-प्रोत होने के कारण समस्त भारत और अन्य देशों, जैसे- बांग्लादेश में जनप्रिय हो गए हैं। चलचित्र निर्माण, संगीत और सांस्कृतिक, साहित्यिक क्षेत्र में इस महान गायक ने सफलता के आसमान छुए हैं। उनमें से कुछ सम्मान, पुरस्कार और उपलब्धियां इस तरह हैं :-

- पद्मश्री (1977), पद्म भूषण (2001), पद्म विभूषण (2012)
- दादा साहब फाल्के पुरस्कार (1992)
- असम साहित्य सभा के सभापति (1993), सुधाकंठ सम्मान (1968), संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष (1998)
- असम रत्न (2008)
- राष्ट्रपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ चलचित्र निर्माता का राष्ट्रीय पुरस्कार (3 बार)

असम की यह झांकी इस महान असमिया युगपुरुष और बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. भूपेन हज़ारिका के प्रति श्रद्धांजलि है।

– असम

Dr. Bhupen Hazarika - The Golden Voice of Assam (1926-2011)

Dr. Bhupen Hazarika was a lyricist, musician, singer, writer, poet and film-maker. His songs are marked by humanity and universal brotherhood and have been translated and sung in many languages, most notably in Bengali & Hindi. His songs, based on the themes of communal harmony, universal justice and empathy, have become popular throughout India and many other countries like Bangladesh. The great singer's achievements encompass the field of Cinema, Music & Culture and Literature. A few of the achievements & awards conferred on the legend are:

- 'Padmashri'(1977), 'Padmabhusan'(2001), "Padmabibhusan"(2012)
- Dada Saheb Phalke Award (1992)
- President Assam Sahitya Sabha (1993), 'Sudhakantha'(1968), Chairman Sangeet Natak Academy (1998)
- 'Assam Ratna' (2008)
- President's National Award for Best Filmmaker (3 times)

The Tableau of Assam depicts the great Assamese legend with the golden voice and a multifaceted genius - Dr. Bhupen Hazarika.

– ASSAM





रॉक गार्डन

चण्डीगढ़ के विश्वविख्यात रॉक गार्डन की वजह से आज चण्डीगढ़ किसी परिचय का मोहताज नहीं है। यह गार्डन औद्योगिक और शहरी कबाड़ से तैयार कलाकृतियों से बना है।

इस गार्डन का सादगीपूर्ण प्रवेश द्वार, चट्टानों, पत्थरों, टूटे बॉनचाइना के टुकड़ों, बेकार फ्लूरोसेंट ट्यूबों, कांच की टूटी और परित्यक्त चूड़ियों, इमारती कचरे, कोला और सभी मिट्टी की वस्तुओं की पास-पास बनी गई एक शानदार और लगभग अतियथार्थवादी व्यवस्था तक लेकर जाता है, जिनसे महलों, फौजियों, बंदरों, ग्रामीण जीवन, स्त्रियों और मंदिरों के एक स्वप्निल संसार की रचना हुई है। खुले वातावरण में स्थित कलाकृतियां और ओझल द्वारों को कई स्थानों पर झरनों और तालाबों आदि के माध्यम से अधिक सुन्दर बनाया गया है।

यह रॉक गार्डन लगभग एक सांस्कृतिक धरोहर ही बन गया है। विश्व-भर से कलाकार और कद्रदान इस अद्भुत और अनोखी रचना को देखने आते हैं। ऐसा गार्डन तैयार करने की अवधारणा बहुत साहसिक और इसकी अपील चिरस्थायी है। पर्यटक आंखों में प्रशंसा के भाव लिए और दोबारा आने की चाह लिए जाते हैं।

चण्डीगढ़ की झांकी, चण्डीगढ़ की पहचान के रूप में, रॉक गार्डन की अद्वितीय कृतियों के मॉडल को प्रस्तुत करती है।

— चण्डीगढ़

Rock Garden

Chandigarh has the distinction of having a unique world acclaimed Rock Garden. It consists of art objects, fashioned from industrial and urban waste.

An unpretentious entrance leads to a magnificent, almost surrealist arrangement of rocks, boulders, broken chinaware, discarded fluorescent tubes, broken and cast away glass bangles, building waste, cola and clay—all juxtaposed to create a dream folk world of palaces, soldiers, monkeys, village life, women and temples. The open air sculptures and concealed gateways separating them are, at places, enhanced by a waterfall, pools, etc.

The Rock Garden has become almost a heritage site. Artists and connoisseurs from all over the world flock to see this unique and amazing creation. The concept is daring, the appeal perennial. Visitors leave in admiration, only to return again.

The Tableau of Chandigarh presents a model of the unique creations that form the Rock Garden - a landmark of Chandigarh.

— CHANDIGARH

पीर पंजाल सुरंग के जरिए भारतीय रेल ने उपलब्ध कराया कश्मीर घाटी से संपर्क

26 जून, 2013 को भारतीय रेल ने भारत की सबसे लंबी और एशिया की तीसरी सबसे लंबी परिवहन सुरंग, पीर पंजाल सुरंग का शुभारंभ किया था। 11 किलोमीटर लंबी सुरंग जो कि जम्मू क्षेत्र से कश्मीर घाटी को जोड़ने हेतु सबसे महत्वपूर्ण चरण था, के पूर्ण होने से रेल संपर्क के एक नये युग का अभ्युदय हुआ है।

रेलवे को पीर पंजाल की श्रेणियों से गुजरने का मार्ग उपलब्ध करवाकर इसने राज्य के विकास की गति को बढ़ावा दिया है। इससे लोगों को खराब मौसम में सड़कें बंद होने की समस्या से छुटकारा मिला है। इस सुरंग ने राज्य के दूर-दराज के लोगों को सस्ता एवं आसान परिवहन उपलब्ध करवाया है, जिसका सामाजिक-आर्थिक प्रभाव असीम होगा।

देश के कोने-कोने तक रेल संपर्क मुहैया कराने के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में भारतीय रेलवे का यह एक बड़ा कदम है।

— रेल मंत्रालय

Indian Railways Provide Connectivity To Kashmir Valley Through Pir Panjal Tunnel

On 26th June, 2013, the longest transportation tunnel in India, the third longest in Asia, the Pir Panjal Railway Tunnel was commissioned by the Indian Railways. heralding a new era of railway connectivity, this 11-Km long tunnel completes the most important stage of connecting the Kashmir Valley with Jammu region.

This tunnel, which has allowed the railway to pass through the Pir Panjal range, has accelerated the process of development in the state. It has obliterated the connectivity issues faced by the people due to inclement weather which causes the closure of the roadways. The socio-economic impact of the tunnel is expected to be tremendous as it has allowed cheaper and easier mobility to the people of the state, providing better access to far-flung places.

This is a big step forward for Indian Railways towards its goal of providing rail connectivity to the farthest corners of the country.

— MINISTRY OF RAILWAYS





कृषि में सूचना एवं संचार तकनीक का प्रयोग

गत 30 वर्षों के दौरान कृषि में सूचना एवं संचार तकनीकी के प्रयोग में अप्रत्याशित प्रगति हुई है। झांकी का अगला हिस्सा इलेक्ट्रॉनिक मास मीडिया के साथ-साथ सूचना एवं प्रसार तकनीक के माध्यम से कृषि में हुई प्रगति तथा उसका पिछला हिस्सा कृषि में जनसंचार के 4 मुख्य स्तंभों को दर्शाता है।

अत्याधुनिक किसान कॉल सेंटर अपनी वेब एवं डाटाबेस आधारित निःशुल्क फोन सेवा से किसानों के लिए अत्यधिक प्रभावकारी एवं उपयोगी बन गए हैं। किसानों को उनके क्षेत्र स्थल पर फसल संबंधी सभी प्रकार की जानकारी 'वन-स्टॉप शॉप' के रूप में उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से किसान पोर्टल के बीटा वर्जन का विमोचन किया गया है। कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में ब्लॉक स्तर तक हजारों संस्थाओं द्वारा एस.एम.एस. पोर्टल के माध्यम से किसानों को स्थानीय भाषाओं में क्षेत्र/फसल विशेष के लिए संदेश भेजे जा रहे हैं। अब तक अधिकांश तौर पर दुर्लभ बनी हुई सुदूर संवेदन तकनीक का हाल में बड़े पैमाने पर सूखा निगरानी और फसल उत्पादन का आकलन करने के लिए प्रयोग किया जा रहा है। जन साधारण के बीच सूचना तंत्र की अपर्याप्त जानकारी के मद्देनजर वेब आधारित सेवाओं का लाभ जन सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है।

सूचना एवं संचार तकनीकी के निरंतर विकास से कृषि आधारित ज्ञान के नये मार्ग खुलेंगे जिससे कृषि क्षेत्र में सदाबहार क्रांति आयेगी तथा समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

— कृषि मंत्रालय

Use of ICT in Agriculture

Use of Information & Communication Technology in Agriculture has taken enormous strides over the last 30 years. The tractor portion signifies prosperity in Agriculture propelled by different modes of ICT including electronic mass media. The trailer epitomizes 4 major pillars of ICT framework.

State of the art Kisan Call Centres have become more efficacious and farmer friendly with their integration with various web based data-bases. Beta version of the Farmers' Portal has been launched as 'one stop shop' for location and crop based information. Thousands of organizations down to block level in Agriculture and Allied sectors have been enabled to use SMS Portal for sending messages in regional languages as per location of a farmer & choice of agricultural practice. Remote Sensing Technology is being used and refined extensively for monitoring drought and assessing crop production. To overcome digital divide, benefit of Web based services is being extended through Common Service Centres.

The emerging technological growth in ICT shall open new channels of farm based knowledge to help farmers in fostering the evergreen revolution in agriculture leading to an inclusive growth.

— MINISTRY OF AGRICULTURE

अंटार्कटिक में भारतीय वैज्ञानिक

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की झांकी मानवता के लिए दिलचस्प तथा चुनौतीपूर्ण अंटार्कटिक महाद्वीप में भारतीय वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते हुए दर्शाती है। झांकी के पार्श्व में भारत का स्थायी स्टेशन है जिसे 'भारती' नाम दिया गया है जो कि अंटार्कटिक के लार्समैन हिल्स में स्थित है।

भारतीय वैज्ञानिक निरन्तर समर्पण तथा प्रतिबद्धता से अंटार्कटिक की कठोर जलवायुवीय स्थितियों में दो अनुसंधान स्टेशनों, 'भारती' तथा 'मैत्री' में विविध प्रकार के वैज्ञानिक विषयों यथा – वायुमण्डलीय विज्ञान, समुद्रविज्ञान, हिमांकमण्डल अध्ययन, पुराजलवायु विज्ञान, भूविज्ञान, समुद्री भू-भौतिकी, ध्रुवीय जीवविज्ञान, पर्यावरणीय विज्ञान, सुदूर संवेदन आदि में वैज्ञानिक प्रयोग कर रहे हैं। इस महाद्वीप में तापमान ग्रीष्मकाल में $+5^{\circ}$ सेन्टीग्रेड से शीतकाल में -89° सेन्टीग्रेड के दायरे में रहता है।

हमारे अंटार्कटिक मिशन का अधिदेश अंटार्कटिक में भारत की प्रत्यक्ष तथा प्रभावी मौजूदगी सुनिश्चित करना तथा राष्ट्रों के वैश्विक फ्रेमवर्क में दक्षिणी महाद्वीप और आसपास के समुद्रों में हमारे रणनीतिक हितों की रक्षा करना है।

— पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

Indian Scientists in Antarctica

The Tableau of the Ministry of Earth Sciences shows the Indian Scientists carrying out research work at Antarctica, an intriguing and challenging continent for the mankind. On the back of the Tableau is the permanent station of India named Bharati - located at the Larsemann Hills of Antarctica.

With sustained dedication and determination, Indian scientists have been carrying out scientific experiments on a variety of scientific disciplines such as Atmospheric Sciences, Oceanography, Cryosphere Studies, Paleoclimatology, Geology, Marine Geophysics, Polar Biology, Environmental Sciences, Remote Sensing, etc. in the harsh climatic conditions of Antarctica from the two research bases - Bharati and Maitri. The temperature on this continent ranges from $+5^{\circ}\text{C}$ in summer to -89°C in winter.

The mandate of Antarctica Mission is to ensure a perceptible and influential presence of India in Antarctica and to uphold our strategic interest in the Global framework of Nations in the southern continent and the surrounding oceans.

— MINISTRY OF EARTH SCIENCE





जनजातीय जीवन : प्रकृति के साथ जीवन यापन

देश की कुल आबादी का लगभग 8.2 प्रतिशत हिस्सा जनजातियों का है जो अपनी आजीविका के लिए मुख्य रूप से लघुवन उत्पाद पर निर्भर करते हैं। पारंपरिक रूप से वे वन्य निवासी प्रकृति के साथ पूर्ण तारतम्य हैं। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने जनजातियों को बेहतर आजीविका देने व उनके लिए व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु लघु उत्पादों के लिए “न्यूनतम समर्थन मूल्य” की ऐतिहासिक योजना की शुरुआत की है।

ट्रेक्टर वाले हिस्से में, मुरिया जनजाति के एक दम्पति को उनके बच्चों के साथ लघुवन उत्पाद समर्थन मूल्य केन्द्र की ओर जाते दिखाया गया है। मुरिया जनजाति को सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के निर्णय की खुशी पर हर्षोल्लास से झूमते व गाते देखा जा सकता है।

ट्रेलर वाले भाग में, जनजातियों को लघुवन उत्पादों जैसे इमली, तेंदू पत्ता, बांस, करंज, हरीतकी आदि को तत्परता से इकट्ठा करते दिखाया गया है। इसमें जनजातियों को खरीद केन्द्र पर ही न्यूनतम समर्थन मूल्य भुगतान किए जाने को भी चित्रित किया गया है। समूची झांकी सरकार द्वारा लघुवन उत्पादों हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य के भुगतान के समर्थन की अभिव्यक्ति है।

— जनजातीय कार्य मंत्रालय

Tribal Life : Living and Moving with Nature

Tribals constitute nearly 8.2% of the country's total population; mainly depending upon Minor Forest Produce (MFP) for their livelihood. Tribals are traditionally forest dwellers who enjoy a symbiotic relation with nature. Ministry of Tribal Affairs, has launched a landmark scheme of providing “Minimum Support Price” (MSP) for MFP to provide better livelihood to tribals & its potential to generate large scale employment opportunity.

The tractor portion of the Tableau depicts Muria Tribal couple with their child, carrying harvested MFP and marching towards Support Price Centre. The Muria Tribal Drummers are seen in jubilation, celebrating government's decision of MSP Scheme.

The trailer portion of the tableau portrays the Tribals actively gathering MFP such as Tamarind, Tendu Leaves, Bamboo, Karanj, Myrobalan, etc. and payment of MSP to the Tribals at the Procurement Centre. The whole Tableau is an expression of the government's support for payment of MSP for MFP.

— MINISTRY OF TRIBAL AFFAIRS

राजपथ

रायसीना की पहाड़ियों पर स्थित प्रसिद्ध राष्ट्रपति भवन से शुरू होकर विजय चौक होते हुए इंडिया गेट तक जाता राजपथ दिल्ली का शाही मार्ग तथा गणतंत्र दिवस के उत्साहपूर्ण समारोह का स्थल है। यह भव्य मार्ग दोनों तरफ वृक्षों की पंक्तियों, झीलों से सुसज्जित है तथा विस्तृत लॉन से घिरा हुआ है। यह भारत के सबसे महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है।

इस वर्ष केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की "राजपथ" नामक झांकी में राजपथ का पूर्ण दृश्य दिखाया गया है, जिसमें राष्ट्रपति भवन, नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक, संसद भवन, विजय चौक व इंडिया गेट की सुन्दरता इसे सुशोभित कर रही है।

वार्षिक गणतंत्र दिवस की परेड यहां प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी के पावन दिवस को होती है। इस विशाल झांकी को पूरा करने के लिए अति मनोहर तथा अद्वितीय रंगों वाले फूलों का प्रयोग किया गया है। इसको अति सुन्दर फूलों ने अपने प्राकृतिक रंगों से अभिमंडित किया है।

— केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

Rajpath

The Tableau is named RAJPATH - a ceremonial boulevard in New Delhi. Republic of India is run from Rashtrapati Bhawan on Raisina Hill along Rajpath through Vijay Chowk to India Gate. The avenue is lined on both sides by huge lawns, lakes and rows of trees, and is considered to be one of the most important roads in India.

This year CPWD Tableau "RAJPATH" is displaying the complete layout of Rajpath along Rashtrapati Bhawan, Parliament House, Vijay Chowk & India Gate, giving a complete overview of its glory.

The annual Republic Day Parade takes place here on 26th January. This exquisite piece of work has been completed beautifully with presentation of unique colorful flowers from all over. The Tableau has been crafted with lovely flowers in their natural colors.

— CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT



राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार 2013 के विजेता

Winners of the National Bravery Award 2013

नाम	राज्य	Name	State
कुमारी महिका गुप्ता @	दिल्ली	Km. Mahika Gupta @	Delhi
कुमारी मल्लिका सिंह टॉक *	राजस्थान	Km. Malieka Singh Tak *	Rajasthan
मास्टर शुभम संतोष चौधरी **	महाराष्ट्र	Master Shubham Santosh Chaudhari **	Maharashtra
मास्टर संजय नवासू सुतार ***	महाराष्ट्र	Master Sanjay Navasu Sutar ***	Maharashtra
मास्टर अक्षय जयराम रोज ***	महाराष्ट्र	Master Akshay Jairam Roj ***	Maharashtra
स्वर्गीय कुमारी मौसमी कश्यप ***	उत्तर प्रदेश	Late Km. Mausmi Kashyap ***	Uttar Pradesh
स्वर्गीय मास्टर आर्यन राज शुक्ल	उत्तर प्रदेश	Late Master Aryan Raj Shukla	Uttar Pradesh
कुमारी शिल्पा शर्मा	हिमाचल प्रदेश	Km. Shilpa Sharma	Himachal Pradesh
मास्टर सागर कश्यप	दिल्ली	Master Sagar Kashyap	Delhi
मास्टर अभिषेक इक्का	छत्तीसगढ़	Master Abhishek Ekka	Chhattisgarh
मास्टर एस.एस. मनोज	कर्नाटक	Master S.S. Manoj	Karnataka
मास्टर सुबिन मेथु	केरल	Master Subin Mathew	Kerala
मास्टर अखिल बिजु	केरल	Master Akhil Biju	Kerala
मास्टर यदुकृष्णन वी.एस.	केरल	Master Yadhukrishnan V.S.	Kerala
मास्टर सौरभ चंदेल	मध्य प्रदेश	Master Saurabh Chandel	Madhya Pradesh
कुमारी तनवी नन्दकुमार ओवहल	महाराष्ट्र	Km. Tanvi Nandkumar Ovhal	Maharashtra
मास्टर रोहित रवि जनमंची	महाराष्ट्र	Master Rohit Ravi Janmanchi	Maharashtra
मास्टर केनलेंग्बा क्षेत्रीमयम	मणिपुर	Master Kangleinganba Kshetrimayum	Manipur
कुमारी खरिबेम गुनीचन्द देवी	मणिपुर	Km. Kharibam Gunichand Devi	Manipur
स्वर्गीय मास्टर एम. खयंगथेई	मणिपुर	Late Master M. Khayingthei	Manipur
मास्टर वेंललहुरइइया	मिजोरम	Master Vanlalhruaia	Mizoram
कुमारी रेमलेलरुतिलुएंगी	मिजोरम	Km. Remlalhruaitluangi	Mizoram
स्व. कुमारी मलस्वमथलुएंगी	मिजोरम	Late Km. Malsawmtluangi	Mizoram
कुमारी हनी नगरुदिंथरी	मिजोरम	Km. Hani Ngurdinthari	Mizoram
स्वर्गीय मास्टर एल मानियो चचई	नागालैंड	Late Master L. Manio Chachei	Nagaland

@ भारत पुरस्कार

* गीता चोपड़ा पुरस्कार

** संजय चोपड़ा पुरस्कार

*** बापू गायधानी पुरस्कार

@ Bharat Award

* Geeta Chopra Award

** Sanjay Chopra Award

*** Bapu Gaidhani Award

बच्चों की प्रस्तुति

महुआ झरे रे

बसंत ऋतु की मादक मोहक हरियाली एवम फूलों से मोहित होकर छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के आदिवासी प्रसिद्ध लोक नृत्य – “महुआ झरे” पर अनायास ही झूम उठते हैं। सर्वोदय कन्या विद्यालय, हस्तसाल, नई दिल्ली की 170 छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ की आदिवासी परंपरा को दर्शाता हुआ प्रस्तुत है प्रसिद्ध लोकनृत्य – “महुआ झरे रे महुआ, महुआ झरे रे महुआ”।

– राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, हस्तसाल, नई दिल्ली

हेगा नागा पर्व

‘हेगा’ उत्सव नागालैण्ड में मनाया जाता है। यह उत्सव जिलियांग जनजाति का सुप्रसिद्ध त्यौहार है। यह त्यौहार प्रतिवर्ष फरवरी मास के दौरान मनाया जाता है।

इस अवसर पर नागा जाति के स्त्री और पुरुष नए रंगीन वस्त्रों और आभूषणों से सुसज्जित होकर समृद्धि, भाग्य और साहस के रूप में ईश्वर से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। यह उत्सव निरन्तर पांच दिनों तक मनाया जाता है। इस उत्सव में स्त्री और पुरुष दोनों अपने खास नृत्य व गीतों में शामिल होकर संगीत की भाव भंगिमाओं पर थिरकते हुए आनन्द उत्सव मनाते हैं।

– महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली

पुली कली

केरल की 200 वर्ष पुरानी नृत्य लोक कला में प्रशिक्षित कलाकार बाघों के विभिन्न पीले, लाल, हरे और उज्ज्वल रंगों में सुसज्जित होते हैं और उडुक्कू और थाकिल की मधुर धुनों पर एक ओजपूर्ण नृत्य करते हैं, यह नृत्य वीरों की उन्मुक्त और साहसपूर्ण भावना का द्योतक है। यह नृत्य प्रकृति के साथ चिरनूतन जिंदादिली को दर्शाता है।

न्यू ग्रीन फील्ड विद्यालय, साकेत के 159 छात्रों एवं छात्राओं ने ओणम के चतुर्थ दिन मनाये जाने वाले विभिन्न रंगों को बिखेरते हुए नृत्य की प्रस्तुति दी है।

– न्यू ग्रीन फील्ड विद्यालय, नई दिल्ली

Children's Pageants

Mahua Jhare Re....

Seeing the beautiful greenery & flowers in spring season, the tribals of district Bastar of Chhattisgarh start dancing to the tune of “Mahua Jhare” with joy and vigour. 170 school girls present the tribal tradition of Chhattisgarh, a famous folk dance- “Mahua Jhare Re, Mahua..... Mahua Jhare Re, Mahua.....”

– Govt Sarvodaya Kanya Vidyalaya, Hastsal, New Delhi

Hega Naga Festival

The ‘Hega’ festival is celebrated in Nagaland. This festival is very famous in Zeliang Tribe. This festival is celebrated every year in the month of February.

On the occasion, people get the blessings from God for wealth, luck and courage, wearing dazzling attires and ornaments. This festival is celebrated for five days continuously. In this festival, both men and women take part in singing and dancing, and enjoy this festival.

– Maharaja Agarsain Public School, New Delhi

Puli Kali

A 200 year old folk dance from Kerala by trained artists painted like tigers in different hues of yellow, red, green and white, dancing to the beats of Udukku and Thakil, reflecting the wild and macho spirit of force, bringing out the ageless frolicking with nature, reinforcing the celebration of being alive.

Presenting 159 students of the New Green Field School, Saket unfolding the myriad of colours celebrating 4th day of Onam.

– New Green Field School, New Delhi

रिखमपाडा लोक नृत्य

रिखमपाडा अरुणाचल प्रदेश राज्य के नियशि समुदाय में किए जाने वाला लोक नृत्य है। यह लोक नृत्य इस समुदाय के दो वीर भाइयों रिश और मश के यपु एवं ययु नाम की दो अति सुन्दर युवतियों की प्रेमकथा पर आधारित है। इस लोक नृत्य के दौरान गायक अन्य ऋतु संबंधी गीत भी गाते हैं। जैसे बीज बोने से फसल पकने के कृषि कार्यों के दौरान 'जूजू जजा यमिन्जा' गीत गुनगुनाते हैं तो युवा 'आले केडे गी को' गीत पर थिरकते हैं जिसका भावार्थ है कि ईश्वर ने सभी को जीवन दिया है इसलिए हमें सभी से प्रेम करना चाहिए। बुजुर्ग लोग 'गुमिन लो तेची सेलो कोजुमा' गीत में युवा पीढ़ी को विनम्र और शालीन रहने की सलाह देते हैं।

अरुणाचल प्रदेश राज्य की यह प्रस्तुति मातृभूमि व मानवता के प्रति हमारे सौहार्द और प्रेम को बहुत खूबसूरती से अभिव्यक्त करती है।

—उत्तर पूर्वी सांस्कृतिक केन्द्र, दीमापुर

बढ़े चलो

नेवी चिल्ड्रन स्कूल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली के छात्र एवम छात्राएं अपनी प्रस्तुति में मातृभूमि की सांस्कृतिक धरोहर को गौरव व समृद्धता की नवीन उंचाईयों तक उठाने का प्रण ले रहे हैं। इस प्रस्तुति में वे आज कवि द्वारिका प्रसाद महेश्वरी की प्रसिद्ध पंक्तियों में छिपे भावों को सजीव करते हुए हमारे वीरों के साथ कदम बढ़ाने और देश भक्ति की अलख जगाने का आव्हान करेंगे।

— नेवी चिल्ड्रन स्कूल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली

Rikhampada Folk Dance

Rikhampada reflects the popular folklore of Nyishi community of Arunachal Pradesh based on the love story of two legendary heroic brothers namely, Rish and Mash with two beautiful heavenly girls namely, Yapu and Yayu. As a celebration, the singers also sing many other seasonal folk songs. Prominent among them are: 'Juju Jaja Yaminja' recollecting the activities of cultivation to harvesting, followed by 'Aalo Kede ge Ko' meaning that the God has created us all. So we should love all living beings. The elders, through the song, 'Gumin lo Techhi Salo Kojuma', advise the young generation to be gentle and polite.

This presentation of varied ethnic culture of Arunachal Pradesh captivates the entire world about our love towards mother India and mankind.

— North East Zonal Cultural Centre, Dimapur

Marching Ahead

The students of Navy Children School, Chanakyapuri, New Delhi are here to pledge, to take the culture and heritage of our motherland to dizzy heights of glory and grandeur. Today these students will relive the famous words of Dwarka Prasad Maheshwari of marching ahead, falling in step with our heroes and lighting the flames of patriotism.

— Navy Children School, Chanakyapuri, New Delhi



धन्यवाद

Thank You

55

33

